Roll No. .....

Question Booklet Number

O. M. R. Serial No.

M. A. (Second Semester) (NEP) EXAMINATION, 2022-23

SANSKRIT

(Kavyashastra–I)

Paper Code							
A	0	2	0	8	0	1	T

Questions Booklet Series
A

Time : 1:30 Hours] [*Maximum Marks : 75*

Instructions to the Examinee :

1. Do not open the booklet unless you are asked to do so.
2. The booklet contains 100 questions. Examinee is required to answer 75 questions in the OMR Answer-Sheet provided and not in the question booklet. All questions carry equal marks.
3. Examine the Booklet and the OMR Answer-Sheet very carefully before you proceed. Faulty question booklet due to missing or duplicate pages/questions or having any other discrepancy should be got immediately replaced.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक आपसे कहा न जाए।
2. प्रश्न-पुस्तिका में 100 प्रश्न हैं। परीक्षार्थी को 75 प्रश्नों को केवल दी गई OMR आन्सर-शीट पर ही हल करना है, प्रश्न-पुस्तिका पर नहीं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर अंकित करने से पूर्व प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR आन्सर-शीट को सावधानीपूर्वक देख लें। दोषपूर्ण प्रश्न-पुस्तिका जिसमें कुछ भाग छपने से छूट गए हों या प्रश्न एक से अधिक बार छप गए हों या उसमें किसी अन्य प्रकार की कमी हो, तो उसे तुरन्त बदल लें।

(Remaining instructions on the last page) (शेष निर्देश अन्तिम पृष्ठ पर)

(Only for Rough Work)

1. आचार्य मम्मट कहाँ के निवासी थे ?

(A) काश्मीर

(B) कन्याकुमारी

(C) कन्नौज

(D) केरल

2. काव्यशास्त्र का आकर ग्रन्थ है :

(A) साहित्यदर्पण

(B) ध्वन्यालोक

(C) काव्यप्रकाश

(D) काव्यानुशासन

3. आचार्य मम्मट किस मत के अनुयायी थे ?

(A) जैन मत

(B) बौद्ध मत

(C) वैष्णव मत

(D) शैव मत

4. काव्यप्रकाश का वर्गीकरण हुआ है :

(A) कारिकाओं में

(B) मन्त्रों में

(C) श्लोकों में

(D) इनमें से कोई नहीं

5. मंगलाचरण में आचार्य मम्मट ने काव्य को विधाता की सृष्टि से उत्कृष्ट दिखाया है। इस उत्कृष्टता में कौन हेतु नहीं है ?

(A) नवरसरुचिरां

(B) अनन्यपरतन्त्राम्

(C) नियतिकृतनियमरहितां

(D) सुख-दुःखमोहस्वभावा

6. 'काव्यप्रकाश' में रसों की संख्या है :

(A) 9

(B) 8

(C) 7

(D) 10

7. 'सूर्यशतकम' के रचनाकार कौन हैं ?

(A) कवि मयूर

(B) कवि हर्षवर्धन

(C) कवि वामन

(D) कवि मम्मट

8. काव्यप्रयोजनों में कौन-सा प्रयोजन शीर्षण्य (प्रमुख) है ?

(A) अर्थकृते

(B) शिवेतरक्षतये

(C) सद्यः परनिर्वृत्तये

(D) व्यवहारविदे

9. इनमें से कौन काव्य का कारण (हेतु) नहीं है ?

(A) शक्ति

(B) अभ्यास

(C) उत्कर्ष

(D) निपुणता

10. 'काव्यप्रकाश' में तीनों काव्यहेतु मिलकर काव्य के निर्माण तथा उत्कर्ष के हेतु हैं।

(A) सही

(B) गलत

(C) आंशिक सत्य है।

(D) स्पष्ट नहीं है।

11. आचार्य मम्मट ने किसे ध्वनि काव्य कहा है ?

(A) चित्र काव्य

(B) मध्यम काव्य

(C) अधम काव्य

(D) उत्तम काव्य

12. इनमें से कौन-सा काव्यलक्षण से सम्बन्धित नहीं है ?

(A) सहितौ

(B) अदोषौ

(C) सगुणौ

(D) अनलङ्कृती पुनः क्वापि

13. ..... व्यंग्यार्थ रहित काव्य कहलाता है, या जिस काव्य में व्यंग्यार्थ स्पष्टतया प्रतीत नहीं होता है, उसे कहते हैं।

(A) चित्र काव्य

(B) उत्तम काव्य

(C) मध्यम काव्य

(D) ध्वनि काव्य

14. अधम काव्य कितने प्रकार का होता है ?

(A) 5

(B) 2

(C) 3

(D) 4

15. किस काव्य में वाच्यार्थ व्यंग्यार्थ से अधिक चमत्कारी होता है ?

(A) उत्तम काव्य

(B) मध्यम काव्य

(C) अधम काव्य

(D) ध्वनि काव्य

16. "इदमुत्तममतिशायिनि व्यङ्ग्ये वाच्याद् ध्वनिर्बुधैः कथितः" किस काव्य का लक्षण है ?

(A) मध्यम काव्य

(B) अधम काव्य

(C) ध्वनि काव्य

(D) उत्तम काव्य

17. 'काव्यप्रकाश' में कारिकाओं की संख्या है :

(A) 143

(B) 140

(C) 142

(D) 141

18. इनमें से कौन-सा 'काव्यप्रकाश' का अंश नहीं है ?

(A) कारिका

(B) वृत्ति

(C) श्लोक

(D) उदाहरण

19. गुणीभूत व्यंग्य काव्य होता है :

(A) ध्वनि काव्य

(B) मध्यम काव्य

(C) अधम काव्य

(D) शब्द चित्र काव्य

20. 'काव्यप्रकाश' की अनेक टीकाओं में सबसे प्राचीन टीका है :

(A) काव्यप्रकाश संकेत

(B) काव्यप्रकाश दीपिका

(C) काव्यप्रदीप

(D) काव्यप्रकाश दर्पण

21. निम्नलिखित में से कौन उपदेश की श्रेणी में नहीं आता है ?

(A) प्रभुसम्मित उपदेश

(B) मित्रसम्मित उपदेश

(C) कान्तासम्मित उपदेश

(D) राजासम्मित उपदेश

22. काव्यज्ञ आचार्यों से शिक्षा प्राप्त कर बार-बार उसका अभ्यास करना सम्बन्धित है :

(A) काव्यभेद से

(B) काव्यशक्ति से

(C) काव्यहेतु से

(D) काव्यप्रयोजन से

23. शब्दार्थौ तत् से क्या तात्पर्य है ?

(A) शब्द और अर्थ दोनों मिलकर काव्य हैं।

(B) शब्द और अर्थ दोनों अलग-अलग काव्य हैं।

(C) शब्द और अर्थ दोनों मिलकर काव्य नहीं है।

(D) शब्द और अर्थ दोनों अलग-अलग काव्य नहीं हैं।

24. "स्वच्छन्दोच्छलदच्छक्कुहराच्छातेतराम्बुच्छटा-मूर्च्छन्मोहमहर्षिहर्षविहितस्नानाह्निकाह्नाय वः।" यह किसका उदाहरण है ?

(A) उत्तम काव्य

(B) मध्यम काव्य

(C) शब्द चित्र काव्य

(D) अर्थ चित्र काव्य

25. कवि कृति है :

(A) केवल सुखात्मक

(B) केवल दुःखात्मक

(C) केवल आनन्दमयी

(D) केवल मोहात्मक

26. "मुख्यार्थ बाधे तद्योगे रूढितोऽथ प्रयोजनात्" यह कारिकांश किससे सम्बन्धित है ?

(A) लक्षणा शक्ति

(B) अभिधा शक्ति

(C) व्यंजना शक्ति

(D) उपर्युक्त तीनों से

27. वाच्यार्थ का बोध कराने वाली शक्ति को कहते हैं :

(A) अभिधा शक्ति

(B) लक्षणा शक्ति

(C) व्यञ्जना शक्ति

(D) अभिधा और लक्षणा दोनों

28. साक्षात् संकेतित अर्थ से तात्पर्य है :

(A) व्यंग्यार्थ से

(B) लक्ष्यार्थ से

(C) वाच्यार्थ से

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

29. शब्दशक्तियों के भेद होते हैं :

(A) 5

(B) 4

(C) 3

(D) 2

30. शब्द तथा अर्थ का निरूपण आचार्य मम्मट ने किस उल्लास में किया है ?

(A) द्वितीय उल्लास

(B) प्रथम उल्लास

(C) तृतीय उल्लास

(D) चतुर्थ उल्लास

31. मुख्य अर्थ को प्रकट करने वाला शब्द कहलाता है :

(A) लाक्षणिक

(B) व्यञ्जक

(C) वाचक

(D) तात्पर्यार्थ

32. तात्पर्य वृत्ति को मानने वाले आचार्य हैं :

(A) गुरु प्रभाकर

(B) कुमारिल भट्ट

(C) आचार्य मम्मट

(D) आनन्दवर्धन

33. आकांक्षा, योग्यता एवं सन्निधि सम्बन्धित है :

(A) लक्षणा वृत्ति से

(B) अभिधा वृत्ति से

(C) तात्पर्य वृत्ति से

(D) व्यंजना वृत्ति से

34. "जलेन सिञ्चति" यह उदाहरण सम्बन्धित है :

(A) आकांक्षा से

(B) योग्यता से

(C) सन्निधि से

(D) तात्पर्य वृत्ति से

35. किसके मतानुसार तात्पर्य वृत्ति को मानने की आवश्यकता नहीं है ?

(A) अभिहितान्वयवादी

(B) अन्विताभिधानवादी

(C) ध्वनिवादी

(D) अभाववादी

36. किसी एक ही वक्ता के द्वारा बिना समय-व्यधान के शब्दों का कथन कहलाता है :

(A) आकांक्षा

(B) योग्यता

(C) सन्निधि

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

37. संकेतित अर्थ कितने प्रकार का होता है ?

(A) 4

(B) 6

(C) 5

(D) 3

38. इनमें से कौन संकेतित अर्थ नहीं है ?

(A) धर्म

(B) जाति

(C) गुण

(D) क्रिया

39. आचार्य मम्मट के अनुसार लक्षणा के भेद होते हैं :

(A) 6

(B) 7

(C) 5

(D) 4

40. अपने वाच्यार्य के अन्वय की सिद्धि के लिये अन्य अर्थ का ग्रहण करना कहलाता है :

(A) लक्षण लक्षणा

(B) उपादान लक्षणा

(C) शुद्धा लक्षणा

(D) गौणी लक्षणा

41. 'गंगायाम् घोषः' का लक्ष्यार्थ है :

(A) गंगाजलप्रवाहे घोषः

(B) गंगातटे अघोषः

(C) घोषे शीतत्वं पावनत्वम्

(D) गंगातटे घोषः

42. "परार्थं स्वसमर्पणम्" यह लक्षण किसका है ?

(A) उपादान लक्षणा

(B) लक्षण लक्षणा

(C) शुद्धा लक्षणा

(D) गौणी लक्षणा

43. जहाँ पर विषयी तथा विषय दोनों शब्दतः कथित हों, वहाँ लक्षणा होती है :

(A) सारोपा लक्षणा

(B) साध्यवसाना लक्षणा

(C) गौणी लक्षणा

(D) शुद्धा लक्षणा

44. शैत्य-पावनत्व रूप व्यंग्यार्थ की प्रतीति कराने वाली शक्ति है :

(A) अभिधा शक्ति

(B) लक्षणा शक्ति

(C) व्यञ्जना शक्ति

(D) तात्पर्य शक्ति

45. सन्दर्भ के अनुसार अभिप्रेत अर्थ की प्रतीति कराने वाली शब्द शक्ति कहलाती है :

(A) तात्पर्य शक्ति

(B) व्यंजना शक्ति

(C) अभिधा शक्ति

(D) लक्षणा शक्ति

46. व्यंजक शब्दशक्ति के अर्थ को कहते हैं :

(A) तात्पर्यार्थ

(B) लक्ष्यार्थ

(C) मुख्यार्थ

(D) व्यंग्यार्थ

47. शब्द की स्वतन्त्र वृत्ति है :

(A) व्यंजना वृत्ति

(B) लक्षणा वृत्ति

(C) तात्पर्य वृत्ति

(D) अभिधा वृत्ति

48. "कुन्ताः प्रविशन्ति" उदाहरण है :

(A) उपादन लक्षणा का

(B) गौणी लक्षणा का

(C) शुद्धा लक्षणा कर

(D) लक्षण लक्षणा कर

49. मुख्यार्थ का बोध होने पर होता है :

(A) वाच्यार्थ

(B) तात्पयार्थ

(C) लक्ष्यार्थ

(D) व्यंग्यार्थ

50. कौन-सी वृत्ति किसी अन्य वृत्ति पर आश्रित नहीं होती है ?

(A) लक्षणा वृत्ति

(B) अभिधा वृत्ति

(C) व्यंजना वृत्ति

(D) तात्पर्य वृत्ति

51. व्यंजना शक्ति के कितने भेद होते हैं ?

(A) 3

(B) 2

(C) 4

(D) 5

52. अभिधामूला तथा लक्षणामूला–ये दो भेद किस व्यञ्जना के हैं ?

(A) आर्थी व्यञ्जना

(B) शाब्दी व्यञ्जना

(C) सहकारी व्यञ्जना

(D) अनुभाव व्यञ्जना

53. अनेकार्थक शब्दों के वाचकत्व के नियन्त्रित हो जाने पर वाच्यार्थ से भिन्न अर्थ की प्रतीति कराने वाला व्यापार कहलाता है :

(A) शाब्दी व्यंजना

(B) आर्थी व्यंजना

(C) अभिधा मूला व्यंजना

(D) लक्षणामूला व्यंजना

54. वक्तृवैशिष्ट्य आदि के कारण सहृदयों को विशेष अर्थ की प्रतीति कराने वाला अर्थ व्यापार कहलाता है :

(A) अभिधामूला व्यंजना

(B) लक्षणामूला व्यंजना

(C) शाब्दी व्यंजना

(D) आर्थी व्यंजना

55. 'काव्यप्रकाश' में आर्थी व्यंजना का निर्णय करने वाला उल्लास है :

(A) तृतीय

(B) द्वितीय

(C) प्रथम

(D) चतुर्थ

56. शाब्दी तथा आर्थी दोनों प्रकार की व्यंजना में अर्थ-विशेष की प्रतीति कराते हैं :

(A) वाक्ययुगल

(B) शब्दयुगल

(C) अर्थयुगल

(D) शब्दार्थयुगल

57. लक्षण लक्षणा का दूसरा नाम है :

(A) जहत्स्वार्थावृत्ति

(B) अजहत्स्वार्थावृत्ति

(C) गौणी लक्षणा

(D) सारोपा लक्षणा

58. इनमें से कौन-सा कथन असत्य है ?

(A) अभिधा शक्ति द्वारा केवल रूढ़ शब्दों का अर्थ बोध होता है।

(B) मुख्यार्थ के बाधित होने पर ही लक्षणा कार्य करती है।

(C) व्यंजना शक्ति शब्द के मूल में छिपे हुए अकथित अर्थ को प्रकट करती है।

(D) व्यंजना शक्ति केवल शब्द पर ही नहीं अर्थ पर भी आधारित होती है।

59. व्यंजना शक्ति के विषय में कौन-सा कथन असत्य है ?

(A) व्यंजना शक्ति शब्द के मुख्यार्थ तथा लक्ष्यार्थ को पीछे छोड़ देती है।

(B) व्यंजना शब्द शक्ति से निष्पन्न अर्थ को व्यंग्यार्थ या प्रतीयमानार्थ कहते हैं।

(C) व्यंजना शब्द शक्ति केवल शब्दों पर ही आधारित होती है।

(D) व्यंग्यार्थ को ध्वन्यार्थ भी कहते हैं।

60. "रेस की अनुभूति कराने में अभिधा शब्दशक्ति ही प्रधान है।" यह मान्यता है :

(A) आचार्य भामह की

(B) आचार्य भट्टनायक

(C) आचार्य कुन्तक

(D) आचार्य दण्डी की

61. लक्षणा शब्दशक्ति की परिभाषा से सम्बन्धित कौन-सा कथन सत्य नहीं है ?

(A) मुख्य अर्थ में बाधा उत्पन्न होना।

(B) मुख्यार्थ बाधित होने पर अन्य अर्थ ग्रहण करना।

(C) अन्य अर्थ का मुख्य अर्थ से कोई सम्बन्ध न होना।

(D) रूढ़ि या प्रयोजन के आधार पर अन्य अर्थ ग्रहण करना।

62. 'अविवक्षितवाच्य तथा विवक्षितान्यपरवाच्य' ये भेद हैं :

(A) ध्वनि के

(B) अलंकार के

(C) गुण के

(D) रस के

63. लक्ष्यार्थ की प्रतीति के पश्चात् व्यंग्यार्थ की प्रतीति कहलाती है :

(A) लक्षणामूलक ध्वनि

(B) अभिधामूलक ध्वनि

(C) सारोपा ध्वनि

(D) साध्यवसाना ध्वनि

64. आचार्य मम्मट ने 'काव्यप्रकाश' में ध्वनि के कुल कितने भेद बताये हैं ?

(A) 49

(B) 52

(C) 50

(D) 51

65. अभिधामूलक ध्वनि को कहते हैं :

(A) अविवक्षितवाच्य ध्वनि

(B) विवक्षितान्यपरवाच्य ध्वनि

(C) लक्षणामूलक ध्वनि

(D) अत्यन्ततिरस्कृत ध्वनि

66. जहाँ वाच्यार्थ की प्रतीति के पश्चात् व्यंग्यार्थ की प्रतीति हो, उसे कहते हैं :

(A) लक्षणामूलक ध्वनि

(B) अविवक्षितवाच्य ध्वनि

(C) अभिधामूलक ध्वनि

(D) विवक्षितान्यपरवाच्य ध्वनि

67. मम्मट का 'काव्यप्रकाश' सम्बन्धित है :

(A) अलंकार से

(B) रीति से

(C) ध्वनि से

(D) रससूत्र से

68. ध्वनि के त्रिविध प्रकार कौन-से हैं ?

(A) वस्तु, अलंकार और रस

(B) भाव, कल्पना और अलंकार

(C) अलंकार, रस और कल्पना

(D) बुद्धि, भाव एवं अलंकार

69. ध्वनि सम्प्रदाय का जनक ग्रन्थ माना जाता है :

(A) काव्यविलास

(B) काव्यदीपिका

(C) काव्यप्रकाश

(D) ध्वन्यालोक

70. ध्वनि को ही कहा जाता है :

(A) लक्ष्यार्थ

(B) व्यंग्यार्थ

(C) अभिधेयार्थ

(D) वाच्यार्थ

71. रससूत्र की व्याख्या करने वाले प्रणेता या प्रथम आचार्य हैं :

(A) आचार्य मम्मट

(B) आचार्य भरतमुनि

(C) आचार्य वामन

(D) आचार्य कुन्तक

72. आचार्य भरतमुनि के अनुसार रसों की संख्या है :

(A) 9

(B) 10

(C) 8

(D) 11

73. "विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः", यह किसने कहा है ?

(A) आचार्य आनन्दवर्धन

(B) आचार्य मम्मट

(C) आचार्य विश्वनाथ

(D) आचार्य भरतमुनि

74. 'काव्यप्रकाश' में रस निष्पत्ति का स्वरूप निरूपण किसके अनुसार नहीं किया गया है ?

(A) भट्ट लोल्लट

(B) भट्टनायक

(C) अभिनवगुप्त

(D) कुन्तक

75. आचार्य भट्ट लोल्लट के रस सम्बन्धित मत को कहा जाता है :

(A) उत्पत्तिवाद

(B) अनुमितिवाद

(C) अभिव्यक्तिवाद

(D) भुक्तिवाद

76. भरतमुनि के रससूत्र में आये निष्पत्ति शब्द का अर्थ आचार्य भट्टनायक ने किस अर्थ में किया है ?

(A) उत्पत्ति

(B) भुक्ति

(C) अभिव्यक्ति

(D) अनुमिति

77. आचार्य अभिनवगुप्त ने नाट्यशास्त्र पर कौन-सी टीका लिखी है ?

(A) अभिनव भारती

(B) अभिनव कथा

(C) अभिनव गाथा

(D) अभिनव लहरी

78. अभिव्यक्तिवाद रस सम्बन्धी मत है :

(A) भट्ट लोल्लट का

(B) अभिनवगुप्त का

(C) भट्टनायक का

(D) शंकुक का

79. मुख्य रूप से रस की उत्पत्ति अनुकार्य राम आदि में होती है; यह सम्बन्धित है :

(A) अभिनवगुप्त से

(B) भट्टनायक से

(C) शंकुक से

(D) भट्ट लोल्लट से

80. किसने अभिधा और लक्षणा के अतिरिक्त भावकत्व एवं भोजकत्व नामक दो नवीन काव्य-व्यापारों की कल्पना की है ?

(A) भट्टनायक

(B) अभिनवगुप्त

(C) शंकुक

(D) भट्ट लोल्लट

81. आचार्य मम्मट ने किस आचार्य के रस सम्बन्धी मत का समर्थन किया है ?

(A) आचार्य शंकुक

(B) आचार्य भट्ट लोल्लट

(C) आचार्य अभिनवगुप्त

(D) आचार्य भट्टनायक

82. इनमें से कौन-सा कथन असत्य है ?

(A) अभिनवगुप्त शैव दर्शन के मतानुयायी थे।

(B) आचार्य शंकुक के रस सम्बन्धी सिद्धान्त को अनुमितिवाद कहते हैं।

(C) चित्रतुरग न्याय का सर्वप्रथम प्रयोग आचार्य शंकुक ने किया है।

(D) भट्टनायक के अनुसार मुख्य रूप से रस की उत्पत्ति अनुकर्ता नट में होती है।

83. सम्भोग तथा विप्रलम्भ—ये भेद किस रस के हैं ?

(A) शान्त रस

(B) करुण रस

(C) शृङ्गार रस

(D) अद्भुत रस

84. शान्त रस का स्थायी भाव है :

(A) विस्मय

(B) करुण

(C) निर्वेद

(D) जुगुप्सा

85. आचार्य आनन्दवर्धन की रचना है :

(A) काव्यप्रकाश

(B) ध्वन्यालोक

(C) काव्यदीपिका

(D) साहित्यदर्पण

86. ध्वन्यालोक पर लोचन टीका लिखने वाले आचार्य हैं :

(A) आनन्दवर्धन

(B) दण्डी

(C) अभिनवगुप्त

(D) विश्वनाथ

87. ध्वन्यालोक का विभाजन हुआ है :

(A) उल्लासों में

(B) अध्यायों में

(C) परिच्छेदों में

(D) उद्योतों में

88. "काव्यस्यात्मा ध्वनिः" किसका कथन है ?

(A) आचार्य मम्मट

(B) आचार्य अभिनवगुप्त

(C) आचार्य आनन्दवर्धन

(D) आचार्य वामन

89. निम्नलिखित में से कौन-सी आनन्दवर्धन की रचना है ?

(A) साहित्यदर्पण

(B) काव्यादर्श

(C) औचित्यविचारचर्चा

(D) देवीशतक

90. आचार्य आनन्दवर्धन को किस राजा से राजाश्रय प्राप्त था ?

(A) राजा मिहिरभोज

(B) राजा हर्षवर्धन

(C) राजा अवन्ति वर्मा

(D) राजा पृथ्वीराज चौहान

91. ध्वन्यालोक ग्रन्थ का प्रतिपाद्य मूलतः है :

(A) गुण

(B) अलंकार

(C) ध्वनि

(D) रीति

92. प्रतीयमान अर्थ को जानने के लिये होना चाहिये :

(A) काव्य-मर्मज्ञ या सहृदय व्यक्ति

(B) व्याकरण का विद्वान

(C) भाषा विज्ञान का ज्ञाता

(D) अलंकारशास्त्र का विद्वान

93. इनमें से कौन ध्वनि विरोधी मत नहीं है ?

(A) अभाववादी मत

(B) भाक्तवादी मत

(C) उत्पत्तिवादी मत

(D) अलक्षणीयतावादी मत

94. किस रस का स्थायी भाव शोक है ?

(A) करुण रस

(B) शान्त रस

(C) वीभत्स रस

(D) शृंगार रस

95. 'ध्वन्यालोक' के रचनाकार आनन्दवर्धन का समय है :

(A) चतुर्थ शताब्दी

(B) नवम शताब्दी

(C) दशम शताब्दी

(D) पंचम शताब्दी

96. अधोलिखित में कौन-सा सिद्धान्त ध्वनि सिद्धान्त का मूल आधार है ?

(A) प्रकृतिवाद

(B) स्फोटवाद

(C) शब्दनित्यत्ववाद

(D) शब्दब्रह्मत्ववाद

97. ध्वनिप्रभेदों में उत्कृष्ट है :

(A) अलंकार ध्वनि

(B) भाव ध्वनि

(C) वस्तु ध्वनि

(D) रस ध्वनि

98. ध्वन्यालोक के प्रथम उद्योत में कारिकाओं की संख्या है :

(A) 19

(B) 20

(C) 21

(D) 18

99. अधोलिखित में कौन-सा कथन असत्य है ?

(A) रूपभेद होने से भक्ति और ध्वनि दोनों एकरूपता को धारण नहीं कर सकती हैं।

(B) अतिव्याप्ति एवं अव्याप्ति दोष होने के कारण भक्ति ध्वनि का लक्षण नहीं हो सकती है।

(C) ध्वनि एवं भक्ति दोनों एक हैं।

(D) भक्ति सम्पूर्ण ध्वनिभेदों का उपलक्षण नहीं हो सकती है।

100. प्रमदालावण्यवत् महाकवियों की वाणियों में सुशोभित होने वाला अर्थ है :

(A) वाच्यार्थ

(B) प्रतीयमानार्थ

(C) अभिधेयार्थ

(D) श्लोकार्थ

4. Four alternative answers are mentioned for each question as—A, B, C & D in the booklet. The candidate has to choose the correct answer and mark the same in the OMR Answer-Sheet as per the direction :

Example :

Question :

Q. 1 (A) ● (C) (D)
Q. 2 (A) (B) ● (D)
Q. 3 (A) ● (C) (D)

Illegible answers with cutting and over-writing or half filled circle will be cancelled.

5. Each question carries equal marks. Marks will be awarded according to the number of correct answers you have.

6. All answers are to be given on OMR Answer sheet only. Answers given anywhere other than the place specified in the answer sheet will not be considered valid.

7. Before writing anything on the OMR Answer Sheet, all the instructions given in it should be read carefully.

8. After the completion of the examination candidates should leave the examination hall only after providing their OMR Answer Sheet to the invigilator. Candidate can carry their Question Booklet.

9. There will be no negative marking.

10. Rough work, if any, should be done on the blank pages provided for the purpose in the booklet.

11. To bring and use of log-book, calculator, pager and cellular phone in examination hall is prohibited.

12. In case of any difference found in English and Hindi version of the question, the English version of the question will be held authentic.

Impt. : On opening the question booklet, first check that all the pages of the question booklet are printed properly. If there is ny discrepancy in the question Booklet, then after showing it to the invigilator, get another question Booklet of the same series.

4. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार सम्भावित उत्तर— A, B, C एवं D हैं। परीक्षार्थी को उन चारों विकल्पों में से सही उत्तर छाँटना है। उत्तर को OMR आन्सर-शीट में सम्बन्धित प्रश्न संख्या में निम्न प्रकार भरना है :

उदाहरण :

प्रश्न :

प्रश्न 1 (A) ● (C) (D)
प्रश्न 2 (A) (B) ● (D)
प्रश्न 3 (A) ● (C) (D)

अपठनीय उत्तर या ऐसे उत्तर जिन्हें काटा या बदला गया है, या गोले में आधा भरकर दिया गया, उन्हें निरस्त कर दिया जाएगा।

5. प्रत्येक प्रश्न के अंक समान हैं। आपके जितने उत्तर सही होंगे, उन्हीं के अनुसार अंक प्रदान किये जायेंगे।

6. सभी उत्तर केवल ओ. एम. आर. उत्तर-पत्रक (OMR Answer Sheet) पर ही दिये जाने हैं। उत्तर-पत्रक में निर्धारित स्थान के अलावा अन्यत्र कहीं पर दिया गया उत्तर मान्य नहीं होगा।

7. ओ. एम. आर. उत्तर-पत्रक (OMR Answer Sheet) पर कुछ भी लिखने से पूर्व उसमें दिये गये सभी अनुदेशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लिया जाये।

8. परीक्षा समाप्ति के उपरान्त परीक्षार्थी कक्ष निरीक्षक को अपनी OMR Answer Sheet उपलब्ध कराने के बाद ही परीक्षा कक्ष से प्रस्थान करें। परीक्षार्थी अपने साथ प्रश्न-पुस्तिका ले जा सकते हैं।

9. निगेटिव मार्किंग नहीं है।

10. कोई भी रफ कार्य, प्रश्न-पुस्तिका के अन्त में, रफ-कार्य के लिए दिए खाली पेज पर ही किया जाना चाहिए।

11. परीक्षा-कक्ष में लॉग-बुक, कैलकुलेटर, पेजर तथा सेल्युलर फोन ले जाना तथा उसका उपयोग करना वर्जित है।

12. प्रश्न के हिन्दी एवं अंग्रेजी रूपान्तरण में भिन्नता होने की दशा में प्रश्न का अंग्रेजी रूपान्तरण ही मान्य होगा।

महत्वपूर्ण : प्रश्नपुस्तिका खोलने पर प्रथमतः जाँच कर देख लें कि प्रश्न-पुस्तिका के सभी पृष्ठ भलीभाँति छपे हुए हैं। यदि प्रश्नपुस्तिका में कोई कमी हो, तो कक्षनिरीक्षक को दिखाकर उसी सिरीज की दूसरी प्रश्न-पुस्तिका प्राप्त कर लें।